भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4414

जिसका उत्तर गुरुवार, 20 फरवरी 2014 को दिया जाना है

अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं की स्थापना

4414. श्री प्रदीप माझी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड (भेल) ने हाल ही में अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के लिए समझौता किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त समझौते की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(घ) उक्त परियोजना के लिए भेल द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले उपकरणों का ब्यौरा क्या है जिन्हें अंतिम रूप दिया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क) और (ख): जी, हां। भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई), सांभर साल्ट्स लिमिटेड (एसएसएल), पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पॉवर ग्रिड), सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) और राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (आरईआईएल) ने 'बनाओं, अपनाओं और चलाओं' आधार पर सांभर, राजस्थान में चरणबद्ध रूप में 4000 मेगावाट संचयी क्षमता के अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर प्रोजेक्ट (यूएमएसपीपी) की स्थापना करने हेतु संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन करने के लिए दिनांक 29 जनवरी, 2014 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सांभर में यूएमएसपीपी में प्रथम चरण में 1000 मेगावाट, और शेष 3000 मेगावाट पश्चातवर्ती चरणों में कार्यान्वित किए जाने की योजना है। यह भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा विद्युत मंत्रालय की एक पहल है।

(ग): समझौता ज्ञापन के मुख्य बिन्दु इस प्रकार हैं:

- संयुक्त उद्यम कंपनी में प्रस्तावित इक्विटी भागीदारी बीएचईएल 26%, एसईसीआई 23%, एसएसएल 16%, पॉवरग्रिड 16%, एसजेवीएनएल 16% और आरईआईएल 3% है।
- संयुक्त उद्यम कंपनी, निश्चयात्मक दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के पश्चात् दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निगमित की जाएगी।
- संयुक्त उद्यम कंपनी, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के पर्यवेक्षणाधीन होगी।
- संयुक्त उद्यम कंपनी विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए समग्र ऋण आवश्यकताओं की व्यवस्था करेगी।

- संयुक्त उद्यम कंपनी विद्युत के निर्वातन तथा अंतरण के लिए प्रासंगिक विनियमों के अनुसार कनेक्टिविटी, दीर्घकालिक/मध्यकालिक/अल्पकालिक सार्वजनिक अभिगम्यता के लिए आवेदन करेगी।
- संयुक्त उद्यम कंपनी, प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित अवसंरचना का सृजन एवं निर्माण करेगी।
- बीएचईएल प्रथम चरण (अर्थात् 1000 मेगावाट) के लिए फोटो-वोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल्स का आपूर्ति करेगी और सांभर स्थित प्रोजेक्ट के पश्चातवर्ती चरणों (अर्थात् 3000 मेगावाट) तथा अन्य प्रोजेक्ट्स हेतु सैल्स और मॉड्यूल्स के लिए उसे प्रथम अस्वीकृति का भी अधिकार होगा, एसईसीआई विद्युत खरीद करार (पीपीए) पर हस्ताक्षर करेगी, एसएसएल सभी मंजूरियों के साथ भूमि उपलब्ध कराएगी, पॉवरग्रिड विद्युत का निर्वातन करेगी, एसजीवीएनएल प्रोजेक्ट प्रबंध में सहायता करेगी और आरईआईएल परिचालन एवं रखरखाव (ओ एण्ड एम) कार्य करेगी।

(घ): जी, हां।

(ङ): सांभर में प्रोजेक्ट के चरण-I के कार्यान्वयन (अर्थात् 1000 मेगावाट) के दौरान आवश्यक सभी मॉड्यूल्स की आपूर्ति नामांकन आधार पर तथा उस समय बीएचईएल की निर्माण क्षमता की शर्त के अध्यधीन बीएचईएल द्वारा की जाएगी। इसके अलावा बीएचईएल को प्रोजेक्ट के पश्चातवर्ती चरणों (अर्थात् 3000 मेगावाट) तथा संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा विकसित किए गए अन्य प्रोजेक्ट्स हेतु सोलर पीवी सैल्स और मॉड्यूल्स की आपूर्ति के लिए प्रथम अस्वीकृति का भी अधिकार होगा।

*****